संकट हरे हैं बालाजी | By Prakash Chauhan

संकट हरे हैं ये बालाजी
मंगल करे हैं ये बालाजी
मेहंदीपुर घाटे जिनका लगे दरबार है
बालाजी दया से होता भव से तू पार है २

दर्शन को आते यहाँ भक्त दिन रात हैं
बालाजी दयालु से तो बन जाती बात है
लाल है लंगोट करे सिन्दूरी सिंगार है
बालाजी दया से होता भव से तू पार है २

राम जी के भक्त प्यारे श्री हनुमान जी
मन बड़ा भोला तन वज्र के समान जी
लंका जला के आये महिमा अपार है
बालाजी दया से होता भव से तू पार है 2

आस करे प्रेम जाने जिसने पूजा है
अंजना के लाल जैसा नहीं और दूजा है
श्रद्धा सुमन अर्पण कर मिलता करार है
बालाजी दया से होता भव से तू पार है 2

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%9f-%e0%a4%b9%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%80-by-prakash-chauhan/